सरलता, सहनशीलता, सकारात्मकता नैतिक पेशेवर जीवन की आधारशिला: प्रो. एम.एम. गोयल

ऋषि की आवाज खानपुर कलां। भगत फूल सिंह महिला विवि के यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विवि के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और तीन बार कुलपति रहे प्रो. एम.एम. गोयल ने शिरकत की। उन्होंने दो सत्रों में भारतीय महाकाव्यों से नेतृत्व के सबक- गीता और अनु-गीता तथा मूल्य-आधारित प्रबंधन एवं सीएसआर हेतु संस्कार- नीडोनॉमिक्स दृष्टिकोण विषयों पर अपने विचार साझा किए। आधुनिक नेतृत्व में प्राचीन ज्ञान की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए प्रो. गोयल ने कहा कि गीता और अनु-गीता आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता प्रदान करती हैं, जो एआई प्रणाली जैसे चैट जीपीटी की क्षमताओं से कहीं अधिक है। उन्होंने संस्कार अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि सरलता, सहनशीलता, सकारात्मकता, सहानुभूति और सांस्कृतिक मूल्य एक नैतिक और मूल्य पूर्ण पेशेवर जीवन की आधारशिला हैं। इस ऑनलाइन सत्र की अध्यक्षता एमएमटीटीसी की निदेशिका डॉ. शेफाली नागपाल ने की।

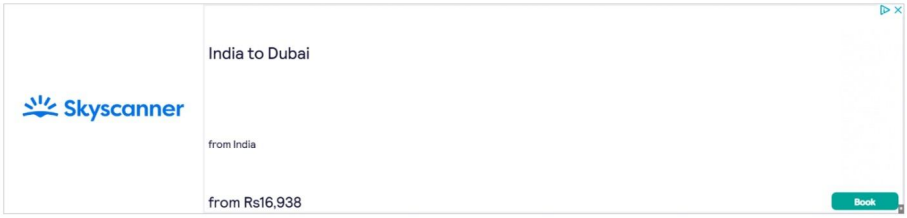

Play / Stop Audio

सरलता, सहनशीलता, सकारात्मकता नैतिक पेशेवर जीवन की आधारशिलाः प्रो. एम.एम. गोयल

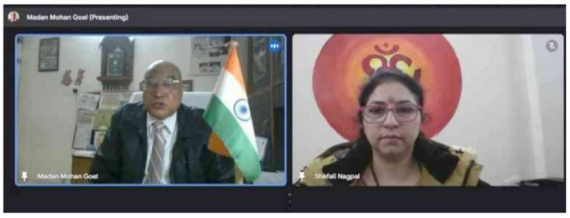

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विवि के यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विवि के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और तीन बार कुलपति रहे प्रो. एम.एम. गोयल ने शिरकत की।

उन्होंने दो सत्रों में "भारतीय महाकाव्यों से नेतृत्व के सबक: गीता और अनु-गीता" तथा "मूल्य-आधारित प्रबंधन एवं सीएसआर हेतु संस्कार: नीडोनॉमिक्स दृष्टिकोण" विषयों पर अपने विचार साझा किए। आधुनिक नेतृत्व में प्राचीन ज्ञान की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए प्रो. गोयल ने कहा कि गीता और अनु-गीता आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता प्रदान करती हैं, जो एआई प्रणाली जैसे चैट जीपीटी की क्षमताओं से कहीं अधिक है। उन्होंने संस्कार अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि सरलता, सहनशीलता, सकारात्मकता, सहानुभूति और सांस्कृतिक मूल्य एक नैतिक और मूल्य पूर्ण पेशेवर जीवन की आधारशिला हैं। इस ऑनलाइन सत्र की अध्यक्षता एमएमटीटीसी की निदेशिका डॉ. शेफाली नागपाल ने की।

Tags: Simplicity | tolerance | positivity | ethical professional life

RELATED POSTS

दोआबा कालेज में पूर्व विद्यार्थी मिलन समागम-रीयूनियन 2024...

इंटर कॉलेज ग्रीको स्टाईल कुश्ती में सैनी कॉलेज ने जीता...

साइबर अपराध पर विस्तार व्याख्यान आयोजित

COMMENTS

Name

Email

Comment

I'm not a robot

Post Comment

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Jammu records season's lowest minimum temperature as Kashmir...

'CID has been one of the longest-running shows in India...

Dance Ka Maha Muqabla: Remo Dsouza is torn in giving his...

Priyanka Chopra, Nick Jonas share a sneak peek into their...

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Eating dark, but not milk, chocolate may cut diabetes risk:...

Both Kejriwal, Gandhiji went to jail for a cause: AAP leader...

Exposed after Biden pardons son, 'vulnerable' US justice...

Rahul Gandhi does not have faith in Constitution: Gourav...

Resisting the new colonial masters: How India's sovereignty...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

Terms & Conditions | Privacy Policy

ए.आई. से अधिक बुद्धिमत्ता प्रदान करती है गीता : प्रो. गोयल

गोहाना मुद्रिका न्यूज, 13 दिसम्बर :

बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के यू.जी.सी.. - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एम.एम.टी.टी.सी.) द्वारा आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और तीन बार वी.सी. रहे प्रो. एम.एम. गोयल ने शिरकत की।

उन्होंने दो सत्रों में "भारतीय महाकाव्यों से नेतृत्व के सबक: गीता और अनु-गीता" तथा "मूल्य-आधारित प्रबंधन एवं सी.एस.आर. हेतु संस्कार: नीडोनॉमिक्स दृष्टिकोण" विषयों पर अपने विचार साझा किए। आधुनिक नेतृत्व में प्राचीन ज्ञान की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए प्रो. गोयल ने कहा कि गीता और अनु-गीता आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता प्रदान करती हैं, जो ए.आई. प्रणाली जैसे चैट जी.पी.टी. की क्षमताओं से कहीं अधिक है।

उन्होंने संस्कार अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि सरलता, सहनशीलता, सकारात्मकता, सहानुभूति और सांस्कृतिक मूल्य एक नैतिक और मूल्य पूर्ण पेशेवर जीवन की आधारशिला हैं। इस ऑनलाइन सत्र की अध्यक्षता एम.एम.टी.टी.सी. की निदेशक डॉ. शेफाली नागपाल ने की।

बी.पी.एस. में फरवरी के महीने में होगा पूर्व छात्र मिलन समारोह

गोहाना मुद्रिका न्यूज, 13 दिसम्बर : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की एलुमनी एसोसिएशन की बैठक में 24 फरवरी 2025 को भगत फूल सिंह जी की जयंती के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले पूर्व छात्र मिलन समारोह की तैयारियों को लेकर विमर्श किया गया। एलुमनी एसोसिएशन के निदेशक डॉ. नरेश कुमार ने अब तक की गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान पूर्व छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय के विकास में अपना योगदान देने की योजना एवं संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

पंजाब केसरी
SAT,14 DECEMBER 2024
EDITION: SONIPAT KESA

बी.पी.एस. में पूर्व छात्र मिलन समारोह फरवरी में

गोहाना, 13 दिसम्बर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की एलुमनी एसोसिएशन की बैठक में 24 फरवरी 2025 को भगत फूल सिंह जी की जयंती के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले पूर्व छात्र मिलन समारोह की तैयारियों को लेकर विमर्श किया गया।

एलुमनी एसोसिएशन के निदेशक डॉ. नरेश कुमार ने अब तक की गतिविधियों की जानकारी दी।

इस दौरान पूर्व छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय के विकास में अपना योगदान देने की योजना एवं संभावनाओं पर भी विचार किया गया। उन्होंने पूर्व छात्रों से संपर्क करने तथा उन्हें पूर्व छात्र पोर्टल पर पंजीकृत करवाने के बारे में भी जानकारी दी। बैठक में उपस्थित विभिन्न विभागीय एलुमनी को-ऑर्डिनेटर ने भी अपने सुझाव दिए।

पंजाब केसरी
SAT, 14 DECEMBER 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

ए.आई. से अधिक बुद्धिमता प्रदान करती है गीता : प्रो. गोयल

गोहाना, 13 दिसम्बर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के यू.जी.सी.- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एम.एम.टी.टी.सी.) द्वारा आयोजित ऑनलाइन रिफ्रैशर कोर्स कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफैसर और 3 बार वी.सी. रहे प्रो. एम.एम. गोयल ने शिरकत की।

उन्होंने दो सत्रों में 'भारतीय महाकाव्यों से नेतृत्व के सबक: गीता और अनु-गीता' तथा 'मूल्य-आधारित प्रबंधन एवं सी.एस.आर. हेतु संस्कार: नीडोनॉमिक्स दृष्टिकोण' विषयों पर अपने विचार सांझा किए।

आधुनिक नेतृत्व में प्राचीन ज्ञान की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए प्रो. गोयल ने कहा कि गीता और अनु-गीता आध्यात्मिक बुद्धिमता प्रदान करती हैं, जो ए.आई. प्रणाली जैसे चैट जी.पी.टी. की क्षमताओं से कहीं अधिक है।

विचार व्यक्त करते हुए पूर्व वी.सी. प्रो. एम.एम. गोयल। (अरोड़ा)

उन्होंने संस्कार अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि सरलता, सहनशीलता, सकारात्मकता, सहानुभूति और सांस्कृतिक मूल्य एक नैतिक और मूल्य पूर्ण पेशेवर जीवन की आधारशिला हैं। इस ऑनलाइन सत्र की अध्यक्षता एम.एम.टी.टी.सी. की निदेशक डॉ. शेफाली नागपाल ने की।

आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता प्रदान करती है गीता

गोहाना| कुरुक्षेत्र विवि से सेवानिवृत्त प्रोफेसर और तीन बार कुलपति रहे प्रो. एमएम गोयल ने कहा कि गीता और अनु-गीता आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता प्रदान करती हैं, जो एआई प्रणाली जैसे चैट जीपीटी की क्षमताओं से कहीं अधिक है। इसके अलावा सरलता, , सकारात्मकता, सहानुभूति और सांस्कृतिक मूल्य एक नैतिक और मूल्य पूर्ण पेशेवर जीवन की, आधारशिला हैं। वे शुक्रवार को बीपीएस महिला विवि के यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने संस्कार अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने दो सत्रों में विभिन्न विषयों पर विचार साझा किए। आधुनिक नेतृत्व में प्राचीन ज्ञान की प्रासंगिकता पर भी बल दिया। इस सत्र की अध्यक्षता एमएमटीटीसी की निदेशिका डॉ. शेफाली नागपाल ने की।

बीपीएस में पूर्व छात्र मिलन समारोह 24 फरवरी को

गोहाना | बीपीएस महिला विवि में शुक्रवार को एलुमनी एसोसिएशन की बैठक हुई। इस बैठक में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने 24 फरवरी को भगत फूल सिंह की जयंती के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले पूर्व छात्र मिलन समारोह की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। एलुमनी एसोसिएशन के निदेशक डॉ. नरेश कुमार के अनुसार समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक में अब तक की गतिविधियों की जानकारी दी। इसके साथ ही पूर्व छात्राओं द्वारा विवि के विकास में अपना योगदान देने की योजना एवं संभावनाओं पर भी विचार किया गया। उन्होंने पूर्व छात्रों से संपर्क करने और उन्हें पूर्व छात्र पोर्टल पर पंजीकृत कराने के बारे में भी जानकारी दी।

ऑनलाइन रिफ्रैशर कोर्स के दौरान वक्ता एवं प्रतिभागी।

ऑनलाइन रिफ्रैशर कोर्स कार्यक्रम आयोजित

गोहाना, 13 दिसम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और तीन बार कुलपति रहे प्रो. एम.एम. गोयल ने शिरकत की। उन्होंने दो सत्रों में 'भारतीय महाकाव्यों से नेतृत्व के सबक- गीता और अनु-गीता' तथा 'मूल्य-आधारित प्रबंधन एवं सीएसआर हेतु संस्कार: नीडोनॉमिक्स दृष्टिकोण' विषयों पर अपने विचार सांझा किए। आधुनिक नेतृत्व में प्राचीन ज्ञान की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए प्रो. गोयल ने कहा कि गीता और अनु-गीता आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता प्रदान करती हैं, जो एआई प्रणाली जैसे चैट जीपीटी की क्षमताओं से कहीं अधिक है। उन्होंने संस्कार अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि सरलता, सहनशीलता, सकारात्मकता, सहानुभूति और सांस्कृतिक मूल्य एक नैतिक और मूल्य पूर्ण पेशेवर जीवन की आधारशिला हैं। इस ऑनलाइन सत्र की अध्यक्षता एमएमटीटीसी की निदेशिका डॉ. शेफाली नागपाल द्वारा की गई।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
14-Dec-2024
Page: 7
http://www.ajitsamachar.com/20241214/27/7/1_1.cms

18 हजार बच्चों ने एक साथ गीता के मंत्रों का उच्चारण किया

गोहाना, 13 दिसम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में गीता जयंती के अवसर पर कुरुक्षेत्र के थीम पार्क में आयोजित वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। 'एक मिनट एक साथ गीता पाठ' नामक इस वैश्विक गीता पाठ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद सहित अन्य गणमान्य हस्तियों ने शिरकत की। कुलपति प्रो. सुदेश ने विश्वविद्यालय के हितधारकों के नाम अपने संदेश में कहा कि भगवद गीता का संवाद भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि पर हुआ था। उन्होंने कहा कि जीवन के हर पहलू से जुड़ी हुई गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति, और भला-बुरा समझने में मदद करती है। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में 18 हजार बच्चों ने एक स्थान पर बैठकर गीता के मंत्रों का उच्चारण किया और पूरे विश्व भर में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार
14-Dec-2024
Page: 7
http://www.ajitsamachar.com/20241214/27/7/1_1.cms

पूर्व छात्र मिलन समारोह की तैयारियों को लेकर किया विचार-विमर्श

गोहाना, 13 दिसम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की एलुमनी एसोसिएशन की एक बैठक में आगामी 24 फरवरी 2025 को भगत फूल सिंह की जयंती के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले पूर्व छात्र मिलन समारोह की तैयारियों को लेकर विमर्श किया गया। एलुमनी एसोसिएशन के निदेशक डॉ. नरेश कुमार ने अब तक की गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान पूर्व छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय के विकास में अपना योगदान देने की योजना एवं संभावनाओं पर भी विचार किया गया। उन्होंने पूर्व छात्रों से संपर्क करने तथा उन्हें पूर्व छात्र पोर्टल पर पंजीकृत करवाने के बारे में भी जानकारी दी।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार
14-Dec-2024
Page: 9
http://www.ajitsamachar.com/20241214/27/9/1_1.cms

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 14.12.2024

खबर संक्षेप

भगत फूल सिंह की जयंती पर होगा पूर्व छात्र मिलन समारोह

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की एलुमनी एसोसिएशन की एक बैठक में आगामी 24 फरवरी 2025 को भगत फूल सिंह की जयंती के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले पूर्व छात्र मिलन समारोह की तैयारियों को लेकर विमर्श किया गया। बैठक में एलुमनी एसोसिएशन के निदेशक डॉ. नरेश कुमार ने अब तक की गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान पूर्व छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय के विकास में अपना योगदान देने की योजना एवं संभावनाओं पर भी विचार किया गया। उन्होंने पूर्व छात्रों से संपर्क करने तथा उन्हें पूर्व छात्र पोर्टल पर पंजीकृत करवाने के बारे में भी जानकारी दी। बैठक में उपस्थित विभिन्न विभागीय एलुमनी कोऑर्डिनेटर ने भी अपने सुझाव दिए।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 14.12.202

खबर संक्षेप

'आध्यात्मिक बुद्धिमता प्रदान करती है गीता'

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विवि, खानपुर कलां के यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विवि के सेवानिवृत्त प्रो.और तीन बार कुलपति रहे प्रो. एमएम गोयल ने शिरकत की। उन्होंने दो सत्रों में भारतीय महाकाव्यों से नेतृत्व के सबकः गीता और अनु-गीता तथा मूल्य-आधारित प्रबंधन एवं सीएसआर हेतु संस्कारः नीडोनॉमिक्स दृष्टिकोण विषयों पर अपने विचार साझा किए। आधुनिक नेतृत्व में प्राचीन ज्ञान की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए प्रो. गोयल ने कहा कि गीता और अनु-गीता आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता प्रदान करती हैं, जो एआई प्रणाली जैसे चैट जीपीटी की क्षमताओं से कहीं अधिक है। उन्होंने संस्कार अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि सरलता, सहनशीलता, सकारात्मकता, सहानुभूति और सांस्कृतिक मूल्य एक नैतिक और मूल्य पूर्ण पेशेवर जीवन की आधारशिला हैं।

सरलता, सहनशीलता, नैतिक पेशेवर जीवन की आधारशिला : गोयल

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विवि के यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विवि के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और तीन बार कुलपति रहे प्रो. एम.एम. गोयल ने शिरकत की। उन्होंने दो सत्रों में भारतीय महाकाव्यों से नेतृत्व के सबक- गीता और अनु-गीता तथा मूल्य-आधारित प्रबंधन एवं सीएसआर हेतु संस्कार- नीडोनॉमिक्स दृष्टिकोण विषयों पर अपने विचार साझा किए। आधुनिक नेतृत्व में प्राचीन ज्ञान की प्रासंगिकता पर जोर दिया।